मुक्त चिन्तन 04 फरवरी, 2025

dqyifr us fd;kdkuiqj{ks=kh; dsUnz dk vkSpdfuih{k.k

{ks=kh; dsUnzdkiuqj dk fujh{k.kdjrsgq, ekuuh; dqyifrçksQslljlR;dketh ,oamifLFkrdkuiqj {ks=kh;

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्याल, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने दिनांक04 फरवरी, 2025 को क्षेत्रीय केन्द्र, कानपुर का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र, कानपुरकी क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठीतथाकर्मचारीगणउपस्थितरहे।माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर का निरीक्षणकरकार्यालय के गतिविधियों की जानकारीप्राप्तकी।उन्होंनेकहाकि नए शैक्षिक सत्रा में क्षेत्रीय केन्द्रपरआनेवालेशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का अच्छीतरह से समाधानकियाजाए।उन्हेंविश्वविद्यालय के रोजगारपरककार्यक्रमों के बारेमेंसूचनादीजाए।माननीयाकुलपतिजी ने क्षेत्रीय केन्द्रमेंसफाईव्यवस्थाकोचुस्त–दुरूस्त रखने के साथ–साथकेन्द्रसमन्वयककोनिर्देशितकियाकिवहअपने अधीनस्थसभीकर्मचारियोंकोकार्यालय आने की समयबद्धतासुनिश्चितकरवाएं।

क्षेत्रीय केंद्रकानपुर के अंतर्गतआनेवालेसभीअध्ययन केन्दोंकोविश्वविद्यालय द्वारादिए गए सभीदिशानिर्देशों का पालनकरतेहुए सुचितापूर्णपरीक्षा संपन्नकरानेतथानामांकन बढ़ाने के लिए सभीअध्ययन केंद्रकोसततप्रयासकरनेहेतुमाननीय कुलपतिजी द्वारानिर्देशदियागया।

मुक्त चिन्तन   05, 07 एवं 08फरवरी, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

नामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रमके अन्तर्गत क्षेत्रीय केन्द्रकानपुर की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी द्वारारामनोहरलोहियाडिग्रीकालेजकान पुरमेंछात्र छात्राओं से संवादएवंविश्वविद्यालय द्वारासंचालितपाठ्यक्रमों की जानकारीदी।

दिनांक 07 फरवरी, 2025 नामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ द्वारानवजीवनइंटरकालेज,मोहनलालगंज,लखनऊमेंछात्राओं से संवादएवंविश्वविद्यालय द्वारासंचालितपाठ्यक्रमों की जानकारीदीगई। इस कार्यक्रममेंकालेज से श्रीअजय शुक्ला एवं शालिनीतिवारीजीउपस्थितरहे ।

डॉ0 अलकावर्माके मार्गदर्शनमेंलखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय के अरुणकुमार द्वाराअपनेगांवमदारा, जिलाश्रावस्तीमेंदिनांक 08 फरवरी, 2025कोनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम मेंग्रामीणवासियों से संवाद एवम् विवि द्वारासंचालितपाठ्यक्रमों की जानकारीदीगई।

मुकुलकानिटकर ने मुविवि के कुम्भअध्ययन कोर्स की सराहना

कुलपति ने भेंट की पाठ्यसामग्री

मा0 मुकुलकानिटकरजीकोकुम्भअध्ययन से संबंधित नए प्रमाणपत्र कार्यक्रम की पुस्तकभेंटकरतेहुए मा0 कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम

प्रयागराज : उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय ने महाकुंभ के महत्वऔरभव्यता से जनमानसकोजागरूककरने के लिए कुम्भअध्ययन पर 6 माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रमतैयारकियाहै।विश्वविद्यालय के मा0 कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने आजदिनांक 10 फरवरी, 2025 कोविश्वविद्यालय मेंआयेहुए भारतीय शिक्षणमण्डल के अखिलभारतीय संयुक्तसंगठनसचिव एवंविमर्श के राष्ट्रीय संयोजक, मा0 मुकुलकानिटकरजीकोकुम्भअध्ययन से संबंधित नए प्रमाणपत्र मेंप्रवेशप्रारंभकरने के बारेमेंबतायाऔरइससेसम्बन्धितपाठ्यसामग्रीभेंटकी। मा0 मुकुलकानिटकरजी ने विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहनाकी।

ts,u;w ls vk, çfrfufèkeaMy us dqaHkvè;;u dk;ZØedksljkgk'kksèkdrkZvksa dk nwiLFkf'kfkk tkx:drkf'kfoiesaggvkLokxr

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 मेंस्थितदूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरमेंजवाहरलालनेहरू विश्वविद्यालय, नईदिल्ली से आए अनुसंधानदल ने कुम्भअध्ययन प्रमाणपत्र कार्यक्रम से संबंधितविभिन्नपहलुओंपरजानकारीप्राप्तकी।जेएनयू से प्रोफेसरऔररिसर्चस्कॉलर्स का एक दलप्रयागराजमेंकुंभ की आयोजन से संबंधितविभिन्नपहलुओंपर शोधकरने के लिए प्रयागराजपहुंचाहै।इसीक्रममेंमुक्तविश्वविद्यालय के दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविरपहुंचनेपरशिविर के नोडलअधिकारी डॉ अनिलकुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागतकियातथाउन्हेंकुंभअध्ययन मेंप्रमाणपत्र कार्यक्रम के संबंधमेंविस्तार से जानकारीप्रदानकी।

डॉ भदौरिया ने बतायाकिमुक्तविश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभअध्ययन प्रमाणपत्र प्रारंभकियाहैजिसकाउद्देश्य देश की अधिकाधिकआबादीकोकुंभ के महत्व के बारेमेंबतानाहै।मुक्तविश्वविद्यालय के कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने प्रयागराजमेंमहाकुंभ के अवसरपरजनवरी सत्र मेंप्रवेशलेनेवालेशिक्षार्थियों के लिए मात्र ₹500 मेंप्रवेश की सुविधाप्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिकप्रचारप्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभीसेक्टरोंमेंविश्वविद्यालय द्वारानियुक्तकिए गए कुंभगाइडकोर्स से संबंधितपर्चावितरितकररहेहैं।जिससे इस कार्यक्रममेंप्रवेशलेनेवालों का रुझान दिनप्रतिदिन बढ़ताजारहाहै।

डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडलको इस कार्यक्रम की विशेषताबतातेहुए कहाकि इस कार्यक्रममेंकुंभ से संबंधितपौराणिकआख्यान, सामाजिकसमरसताऔरकुंभ, कुंभऔरज्ञानपरंपरा, उत्तरप्रदेशसरकार का उत्तमप्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथाडिजिटलकुंभ, आस्थाऔरआध्यात्मिकपर्यटन का केंद्र, साधुसंतों एवं अखाड़ों का अमृतस्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघमास का महत्वतथादर्शनीय स्थलों के साथआकर्षकपंडालोंमेंधार्मिकप्रवचन एवंसांस्कृतिककार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णनप्रस्तुतकियागयाहै।प्रवेश के उपरांतशिक्षार्थियोंकोपाठ्यसामग्रीभीउपलब्धकराईजारहीहै।विश्वविद्यालय द्वारातैयार की गईउच्चकोटि की पाठ्यसामग्री की सराहनाप्रदेश की राज्यपालभीकरचुकीहैं।

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय द्वारासंचालित इस कोर्स की सराहनाकी।प्रतिनिधिमंडलमेंप्रोफेसरबिन्दुमंगला, प्रोफेसरअन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोधछात्राओं शैलजाजिंदललतिकाअग्रवालनिपासीत्यागी, शैलीत्यागी, गरिमात्यागीआदि ने दूरस्थशिक्षा जागरूकताशिविर द्वारा उनके शोधकार्यमेंसहायताकरनेपरकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम के प्रतिआभारव्यक्तकिया।उन्होंनेआश्वासनदियाकिवहअधिक से अधिकलोगोंको इस कार्यक्रममेंप्रवेशलेने के लिए प्रेरितकरेंगे।

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

नामांकनअभ्यारणअभियान के अंतर्गतउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा 34वीं बहिनीपीएसीभूलनपुरमेंकंपनी के कमांडेंटसहायककमांडेंटनिरीक्षक एवं उप निरीक्षकतथासभीजवानोंकोराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ एस के सिंह द्वाराविश्वविद्यालय द्वारासंचालितविभिन्नकोर्सों के बारेमेंविस्तारपूर्वकबतायागयातथा इस संदर्भमेंउनकीजिज्ञासाओं का समाधानकियागया की किसप्रकार व नौकरीकरने के साथ–साथविश्वविद्यालय मेंसंचालितविभिन्नकोर्सोंमेंप्रवेशलेकरअपनेभविष्य कोउज्ज्वलबनासकतेहैंइसकेसाथ–साथही उनके परिवारकोभीविश्वविद्यालय के कोर्समेंप्रवेशलेने के लिए प्रेरितकियागया इस संदर्भमेंअनेकसिपाहियों ने प्रवेशलेने की इच्छाप्रकट की इस अवसरपरकंपनी के कमांडेंटश्रीपंकजपांडे, आईपी एस एवंडिप्टीकमांडेंटतथाअन्य अधिकारी एवंजवानउपस्थितरहे।

dqyifr us fd;kvkxjk{ks=kh; dsUnz dk vkSpdfuih{k.k

{ks=kh; dsUnzvkxjk dk fujh{k.kdjrsgq, ekuuh; dqyifrçksQsljlR;dketh,oamifLFkrvkxjk

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्याल, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने दिनांक 12 फरवरी, 2025 को क्षेत्रीय केन्द्र, आगरा का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र, आगरा की क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 रेखा सिंह तथाकर्मचारीगणउपस्थितरहे।माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा का निरीक्षणकरकार्यालय के गतिविधियों की जानकारीप्राप्तकी।उन्होंनेकहाकि नए शैक्षिक सत्रा में क्षेत्रीय केन्द्रपरआनेवालेशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का अच्छीतरह से समाधानकियाजाए।उन्हेंविश्वविद्यालय के रोजगारपरककार्यक्रमों के बारेमेंसूचनादीजाए।माननीयाकुलपतिजी ने क्षेत्रीय केन्द्रमेंसफाईव्यवस्थाकोचुस्त–दुरूस्त रखने के साथ–साथकेन्द्रसमन्वयककोनिर्देशितकियाकिवहअपने अधीनस्थसभीकर्मचारियोंकोकार्यालय आने की समयबद्धतासुनिश्चितकरवाएं।

इस अवसरपर क्षेत्रीय केंद्रआगरा की समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह ने माननीय कुलपतिमहोदय जी से विश्वविद्यालय की सत्रांतपरीक्षाओंहेतु क्षेत्रीय केन्द्रोकोनोडलकेंद्रबनायेजाने एवंविश्वविद्यालय द्वाराउत्तरपुस्तिकाओंको क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से परीक्षा केन्द्रोंपरउपलब्धकरायेजाने के सम्बन्ध मेंअपनेसुझाव प्रस्तुतकी। इस निर्णय से विश्वविद्यालय के वाहन खर्चेमेंबचतहोसकतीहै।साथहीविश्वविद्यालय की सत्रांतपरीक्षाओंमेंप्रश्नपत्र कोडिजिटलकियेजाने के सम्बन्ध मेंभीचर्चाकी।

क्षेत्रीय केंद्रआगरा के अंतर्गतआनेवालेसभीअध्ययन कन्दोंकोविश्वविद्यालय द्वारादिए गए सभीदिशानिर्देशों का पालनकरतेहुए सुचितापूर्णपरीक्षा संपन्नकरानेतथानामांकन बढ़ाने के लिए सभीअध्ययन केंद्रकोसततप्रयासकरनेहेतुमाननीय कुलपतिजी द्वारानिर्देशदियागया।

हिन्दी दैनिक
झुग्गी झोपड़ी
प्रयागराज से प्रकाशित   हम बनेंगे आपकी आवाज
Website: www.jhuggijhopri.com | www.jjnews.in | प्रयागराज, बुधवार, 12 फरवरी 2025

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

शोधकताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

डॉ. भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए मात्र 500 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

डॉ. भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं।

जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल लतिका अग्रवाल निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य में सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

RNI. NO.:UPHIN/2012/43594
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
संकल्प संदेश
वयं राष्ट्रे जाग्रयामः
वर्ष : 14 अंक :317 बाराबंकी बुधवार 12 फरवरी 2025 पृष्ठ- 08 मूल्य- 2/ रूपये

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

शोधकर्ताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

संकल्प संदेश

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज मे महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र मे प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियो के लिए मात्र ₹500 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम मे कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियो को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं। जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल मे प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल लतिका अग्रवाल निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य में सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अविक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 14
अंक : 155
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
बुधवार, 12 फरवरी, 2025
मंत्र भारत
हिन्दी दैनिक

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

शोधकर्ताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

डॉ भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए मात्र ?500 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं।

जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल लतिका अग्रवाल निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य में सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

RNI NO.-UPENG/2016/68787
VOL. 09
NO. 216
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ
HIND MATA
Email:hindmata1008@gmail.com
PRAYAGRAJ WEDNESDAY, 12 FEBRUARY 2025   PAGES 6,   PRICE RS. 1.00

Delegation from JNU appreciated Kumbh Study Program

Researchers welcomed in Distance Education Awareness Camp

HIND MATA

Prayagraj: In the Distance Education Awareness Camp located in Sector 7 of Mahakumbhnagar of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, the research team from Jawaharlal Nehru University, New Delhi, got information on various aspects related to the Kumbh Studies Certificate Program. A team of professors and research scholars from JNU has reached Prayagraj to research on various aspects related to the organization of Kumbh in Prayagraj. In this sequence, on reaching the Distance Education Awareness Camp of the Open University, the nodal officer of the camp, Dr. Anil Kumar Singh Bhadauria welcomed the members of the team and provided them detailed information regarding the certificate program in Kumbh Studies.

Dr Bhadauria informed that the Open University has started the Kumbh Studies Certificate from the January 2025 session, the objective of which is to tell the maximum population of the country about the importance of Kumbh. On the occasion of Maha Kumbh in Prayagraj, the Vice Chancellor of the Open University, Professor Satyakam has provided admission facility for only ? 500 for the students taking admission in the January session. For the maximum publicity of this program, Kumbh guides appointed by the university are distributing pamphlets related to the course in all sectors of the Maha Kumbh area. Due to which the inclination of those taking admission in this program is increasing day by day.

Dr Bhadauria, while describing the specialty of this program to the delegation, said that in this program, mythological stories related to Kumbh, social harmony and Kumbh, Kumbh and knowledge tradition, excellent management and schemes of the Uttar Pradesh government, divine, grand and digital Kumbh, center of faith and spiritual tourism, Amrit bath of saints and akhadas, glory of Prayag, glory of Ganga, importance of Magh month and a series of religious discourses and cultural programs in attractive pandals along with sightseeing places have been presented. After admission, study material is also being made available to the students. The state governor has also praised the high quality study material prepared by the university.

The delegation from JNU praised this course run by the university. Professor Bindu Mangala, Professor Annu Singh, Dr. Richa Singh and research students Shailja Jindal, Latika Agarwal, Nipasi Tyagi, Shaili Tyagi, Garima Tyagi etc. expressed their gratitude to Vice Chancellor Professor Satyakam for helping them in their research work through the distance education awareness camp. He assured that he will motivate more and more people to take admission in this program.

VOL. 17
NO. 41
MORNING EDITION
PRAYAGRAJ
JUSTICE EXPRESS
WEDNESDAY, 12 FEBRUARY 2025, PAGE 1-8 | www.justiceexpress2009@gmail.com
CITY/NATION   WORLD/NATION   MISCELLANY

Delegation from JNU appreciated Kumbh Study Program

Researchers welcomed in Distance Education Awareness Camp

JE CORRESPONDENT

Prayagraj: In the Distance Education Awareness Camp located in Sector 7 of Mahakumbhnagar of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, the research team from Jawaharlal Nehru University, New Delhi, got information on various aspects related to the Kumbh Studies Certificate Program. A team of professors and research scholars from JNU has reached Prayagraj to research on various aspects related to the organization of Kumbh in Prayagraj. In this sequence, on reaching the Distance Education Awareness Camp of the Open University, the nodal officer of the camp, Dr. Anil Kumar Singh Bhadauria welcomed the members of the team and provided them detailed information regarding the certificate program in Kumbh Studies.

Dr Bhadauria informed that the Open University has started the Kumbh Studies Certificate from the January 2025 session, the objective of which is to tell the maximum population of the country about the importance of Kumbh. On the occasion of Maha Kumbh in Prayagraj, the Vice Chancellor of the Open University, Professor Satyakam has provided admission facility for only ? 500 for the students taking admission in the January session. For the maximum publicity of this program, Kumbh guides appointed by the university are distributing pamphlets related to the course in all sectors of the Maha Kumbh area. Due to which the inclination of those taking admission in this program is increasing day by day.

Dr Bhadauria, while describing the specialty of this program to the delegation, said that in this program, mythological stories related to Kumbh, social harmony and Kumbh, Kumbh and knowledge tradition, excellent management and schemes of the Uttar Pradesh government, divine, grand and digital Kumbh, center of faith and spiritual tourism, Amrit bath of saints and akhadas, glory of Prayag, glory of Ganga, importance of Magh month and a series of religious discourses and cultural programs in attractive pandals along with sightseeing places have been presented. After admission, study material is also being made available to the students. The state governor has also praised the high quality study material prepared by the university.

The delegation from JNU praised this course run by the university. Professor Bindu Mangala, Professor Annu Singh, Dr. Richa Singh and research students Shailja Jindal, Latika Agarwal, Nipasi Tyagi, Shaili Tyagi, Garima Tyagi etc. expressed their gratitude to Vice Chancellor Professor Satyakam for helping them in their research work through the distance education awareness camp. He assured that he will motivate more and more people to take admission in this program.

लक्ष्य समग्र
LS NEWS
वर्ष : 02 अंक : 310 प्रयागराज, बुधवार 12 फरवरी 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपया

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

शोधकताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए मात्र ?500 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं। जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल लतिका अग्रवाल निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य में सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

प्रयाग प्रभात

शोधकर्ताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

प्रयागराज ।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 11 फरवरी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय, प्रयागराज के महा कुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्व विद्यालय नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्व विद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हे कुंभ अध्ययन मे प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र मे प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए मात्र ₹600 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं। जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल मे प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल लतिका अग्रवाल निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य मे सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

दैनिक कर्मठ
राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
वर्ष : 10 अंक : 123 प्रयागराज, बुधवार 12 फरवरी, 2025 पृष्ठ : 4 मूल्य : 1.00 विक्रम संवत 2081 प्रातःसंस्करण

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

शोधकर्ताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की।डॉ भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए मात्र ₹600 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत

स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं।जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल लतिका अग्रवाल निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य में सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

दैनिक जागरण
प्रयागराज, बुधवार 12 फरवरी, 2025
www.jagran.com

एक नजर

जेएनयू अनुसंधान दल ने किया कुंभ कार्यक्रम का अवलोकन

महाकुंभ नगर : दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के अनुसंधान दल ने कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। यह दल प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ से जुड़े ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक पहलुओं पर शोध कर रहा है।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से सेक्टर सात में यह शिविर आयोजित किया गया है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने महाकुंभ में केवल 500 रुपये में प्रवेश शुल्क निर्धारित किया है, ताकि अधिक लोग इस अध्ययन कार्यक्रम का लाभ उठा सकें। पाठ्यक्रम में प्रयाग, गंगा और माघ मास के महत्व पर विशेष ध्यान दिया गया है। जेएनयू के प्रतिनिधिमंडल ने इस विशेष कोर्स की सराहना की। दल में शामिल प्रो. बिंदु मंगला, प्रो. अन्नू सिंह, डा. ऋचा सिंह और शोध छात्राएं शैलजा जिंदल उपस्थित रहीं।

वर्ष : 03 अंक : 48
पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रूपया
हिन्दी दैनिक – प्रातःसंस्करण
पावन प्रयाग
जनपद प्रयागराज से प्रकाशित
प्रयागराज
बुधवार
12 फरवरी 2025
RNI No. : UPHIN/2022/84137
Email- pawanprayag@gmail.com

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

शोधकताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

पावन प्रयाग संवाददाता

महाकुम्भ नगर । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के महाकुंभ नगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए मात्र ₹500 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं। जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल, लतिका अग्रवाल, निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य में सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

शोधकताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से आए अनुसंधान दल ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त की। जेएनयू से प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर्स का एक दल प्रयागराज में कुंभ की आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर शोध करने के लिए प्रयागराज पहुंचा है। इसी क्रम में मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर पहुंचने पर शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने दल के सदस्यों का स्वागत किया तथा उन्हें कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ भदौरिया ने बताया कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जनवरी 2025 सत्र से कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य देश की अधिकाधिक आबादी को कुंभ के महत्व के बारे में बताना है। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर जनवरी सत्र में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के लिए मात्र ₹500 में प्रवेश की सुविधा प्रदान की है। इस कार्यक्रम के आधिकाधिक प्रचार प्रसार के लिए महाकुंभ क्षेत्र के सभी सेक्टरों में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त किए गए कुंभ गाइड कोर्स से संबंधित पर्चा वितरित कर रहे हैं। जिससे इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने वालों का रुझान दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

डॉ भदौरिया ने प्रतिनिधिमंडल को इस कार्यक्रम की विशेषता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में कुंभ से संबंधित पौराणिक आख्यान, सामाजिक समरसता और कुंभ, कुंभ और ज्ञान परंपरा, उत्तर प्रदेश सरकार का उत्तम प्रबंधन एवं योजनाएं, दिव्य, भव्य तथा डिजिटल कुंभ, आस्था और आध्यात्मिक पर्यटन का केंद्र, साधु संतों एवं अखाड़ों का अमृत स्नान, प्रयाग की महिमा, गंगा की महिमा, माघ मास का महत्व तथा दर्शनीय स्थलों के साथ आकर्षक पंडालों में धार्मिक प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का वर्णन प्रस्तुत किया गया है। प्रवेश के उपरांत शिक्षार्थियों को पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई उच्च कोटि की पाठ्य सामग्री की सराहना प्रदेश की राज्यपाल भी कर चुकी हैं।

जेएनयू से आए प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस कोर्स की सराहना की। प्रतिनिधि मंडल में प्रोफेसर बिन्दु मंगला, प्रोफेसर अन्नू सिंह, डॉ रिचा सिंह तथा शोध छात्राओं शैलजा जिंदल लतिका अग्रवाल निपासी त्यागी, शैली त्यागी, गरिमा त्यागी आदि ने दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर द्वारा उनके शोध कार्य में सहायता करने पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करेंगे।

जेएनयू से आए प्रतिनिधिमंडल ने कुम्भ अध्ययन कार्यक्रम को सराहा

-शोधकर्ताओं का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में हुआ स्वागत

महाकुम्भ नगर, 11 फरवरी (हि.स.)। महाकुम्भ के सेक्टर -7 में स्थित

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/2/11/JNU-delegation-appreciates-Kumbh-study-programme.php

08:40

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रकानपुर द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के तहतदिनांक 13 फरवरी 2025 को एनआईओएस के समन्वयकश्रीराकेशकुमारमिश्राबालनिकेतनबाल का इंटरकॉलेजहरजिंदरनगरकानपुरमेंमिलकरनामांकन के लिए चर्चा की औरवहां की शिक्षकों से मिलकरविश्वविद्यालय द्वाराचलाए जारहेकोर्सेज के बारेमेंजानकारीदीश्रीराकेशमिश्राजी ने बतायाकिकॉलेजसर्वाधिक संख्या 250 उनके विद्यालय मेंकानपुर क्षेत्र मेंहैउन्होंनेआश्वासनदियाकिवहहमारेब्राउज़रकोअपनीवेबसाइटपरअपलोडकरदेंगे एवंभविष्य मेंइसमेंवहसहयोगभीकरेंगे ।

dqyifr us fd;kesjB {ks=kh; dsUnz dk vkSpdfujh{k.k

{ks=kh; dsUnzesjB dk fujh{k.kdjrsgq, ekuuh; dqyifrçksQslljlR;dketh ,oamifLFkresjB {ks=kh; dsUnzds vf/kdkjhrFkkdeZpkjhx.k

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्याल, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने दिनांक 14फरवरी, 2025 को क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठ का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठकेकर्मचारीगणउपस्थितरहे।माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ का निरीक्षणकरकार्यालय के गतिविधियों की जानकारीप्राप्तकी।उन्होंनेकहाकि नए शैक्षिक सत्रा में क्षेत्रीय केन्द्रपरआनेवालेशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का अच्छीतरह से समाधानकियाजाए।उन्हेंविश्वविद्यालय के रोजगारपरककार्यक्रमों के बारेमेंसूचनादीजाए।माननीयाकुलपतिजी ने क्षेत्रीय केन्द्रमेंसफाईव्यवस्थाकोचुस्त–दुरूस्त रखनेहेतुसभीकर्मचारियोंकोनिर्देशितकिया।

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्याल, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीके निर्देशपरलखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वाराचलाए जारहेनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अन्तर्गतदिनांक 15 फरवरी, 2025 कोलखनऊ के विभिन्न क्षेत्रोंमेंसंवाद एवम् विश्वविद्यालय द्वारासंचालितपाठ्यक्रमों की जानकारीदेने के साथसाथकईस्थानोंपरपम्फलेटवितरितकिया गया।

अध्ययन केंद्र (1503) राम लखनपटेलमहाविद्यालय एट जालौनमेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के अंतर्गतप्रवेश सत्र जनवरी 2025 से संबंधितनामांकनअभिप्रेरणाकार्यक्रमचलायागयाजिसमेंसमस्तछात्र छात्राओंकोप्रवेश से संबंधितजानकारियांदीगईतथाछात्रोंकोप्रवेश के लिए मोटिवेटकियागया।

आजदिनांक 14 फरवरी, 2025 को क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ के डॉ प्रेमप्रकाशकुशवाहा क्षेत्रीय समन्वयक ने नामांकनअभिप्रेरण के तहतपूर्वांचलपीजीकॉलेजआजमगढ़ के छात्राओंकोविश्वविद्यालय द्वारासंचालितविभिन्नपाठ्यक्रमों एवंनामांकनप्रक्रिया के विषय मेंविस्तार से जानकारीदीगई।छात्र–छात्राओंकोनामांकनकरने के लिए अभीप्रेरितभीकियागयातथाकॉलेज के सभीआचार्यकोसर्टिफिकेटइनकुंभस्टडीजमेंनामांकन के संदर्भमेंचर्चा की गई

नामांकनअभिप्रेरण के कार्यक्रममेंकरीब 80 छात्राओं ने प्रतिभागकिया। इस दौरानकईछात्राओं ने नामांकनलेने की इच्छाजाहिर।

dqyifr us fd;kuks,Mk@xkth;kckn {ks=kh; dsUnz dk vkSpdfujh{k.k

{ks=kh; dsUnzuks,Mk@xkth;kcknk fujh{k.kdjrsgq, ekuuh; dqyifrçksQslljR;dketh

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्याल, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने दिनांक 15 फरवरी, 2025 को क्षेत्रीय केन्द्र, नोएडा/गाजीयाबाद का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र, नोएडा/गाजीयाबाद के कर्मचारीगणउपस्थितरहे।माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा/गाजीयाबाद का निरीक्षणकरकार्यालय के गतिविधियों की जानकारीप्राप्तकी।उन्होंनेकहाकि नए शैक्षिक सत्रा में क्षेत्रीय केन्द्रपरआनेवालेशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का अच्छीतरह से समाधानकियाजाए।उन्हेंविश्वविद्यालय के रोजगारपरककार्यक्रमों के बारेमेंसूचनादीजाए।माननीयाकुलपतिजी ने क्षेत्रीय केन्द्रमेंसफाईव्यवस्थाकोचुस्त–दुरूस्त रखनेहेतुसभीकर्मचारियोंकोनिर्देशितकिया।

dqyifr us fd;k y[kuÅ {ks=kh; dsUnz dk vkSpdfujh{k.k

{ks=kh; dsUnzy[kuÅdk fujh{k.kdjrsgq, ekuuh; dqyifrçksQsljlR;dketh ,oamifLFkr {ks=kh; dsUnzds f'k{kdrFkkdeZpkjhx.k

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्याल, प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने दिनांक 15फरवरी, 2025 को क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊकेशिक्षक एवंकर्मचारीगणउपस्थितरहे।माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का निरीक्षणकरकार्यालय के गतिविधियों की जानकारीप्राप्तकी।उन्होंनेकहाकि नए शैक्षिक सत्र में क्षेत्रीय केन्द्रपरआनेवालेशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का अच्छीतरह से समाधानकियाजाए।उन्हेंविश्वविद्यालय के रोजगारपरककार्यक्रमों के बारेमेंसूचनादीजाए।माननीयाकुलपतिजी ने क्षेत्रीय केन्द्रमेंसफाईव्यवस्थाकोचुस्त–दुरूस्त रखनेहेतुसभीकर्मचारियोंकोनिर्देशितकिया।

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

अध्ययन केंद्र (1503) राम लखन पटेल महाविद्यालय एट जालौन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अंतर्गत प्रवेश सत्र जनवरी 2025 से संबंधित नामांकन अभिप्रेरणा कार्यक्रम चलाया गया जिसमें समस्त छात्र छात्राओं को प्रवेश से संबंधित जानकारियां दी गई तथा छात्रों को प्रवेश के लिए मोटिवेट किया गया।
11:27

आजदिनांक19 फरवरी, 2025 कोश्रीदुर्गाजीचंदेश्वर शासकीय महाविद्यालय आजमगढ़ मेंनामांकनअभिप्रेरण के तहत क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ के डॉ प्रेमप्रकाशकुशवाहा ने छात्र–छात्राओंको उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के विभिन्नकोर्सडिप्लोमासर्टिफिकेट के विषय मेंजानकारीदीगईतथा यूजीसीगजट 2022 के तहतड्यूलडिग्रीमेंनामांकनलेने के लिए अभीप्रेरितकियागया। इस दौरानकॉलेज के प्रिंसिपलप्रोफेसरबृजेशकुमार ने कहाकि के यह महाविद्यालय राजर्षि टंडन का अध्ययन केंद्र के रूपमेंकार्यकररहाहैअतः आपलोगचंदेश्वरमहाविद्यालय से नामांकनभीलेसकतेहैंउन्होंनेआगेकहाकिमहाराजासुहेलदेवविश्वविद्यालय एवंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय की डिग्रीमेंकोईफर्कनहींहैअतः आपलोगडिस्टेंस एजुकेशनमेंनामांकनकरलेजिससेकरियर के नए अवसरमिलेंगे।

आजदिनांक19 फरवरी, 2025को डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा, क्षेत्रीय समन्वयकआजमगढ़ के एम ए एम गर्ल्सडिग्रीकॉलेजआजमगढ़ मेंनामांकनअभिप्रेरणा के तहतछात्राओं एवं एवं एनसीसीछात्राओंकोविश्वविद्यालय के विभिन्नकोर्सेज के विषय मेंविस्तार से जानकारीदीगईतथाबतायागयाकिजनवरी सत्र का नामांकनचलरहीहै।उक्तविषय मेंबतायागयाकिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय मेंनामांकनअपनेकरियरको एक नयाआयाम दे सकतेहैंसाथहीविश्वविद्यालय के नामांकन एवंपरीक्षा

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वाराचलाए जारहेनामांकनअभिप्रेरणकार्य क्रम के अन्तर्गतमें20 फरवरी, 2025 को लखनऊ के सनसन उंसस के स्टाफकोविवि द्वारासंचालितपाठ्यक्रमों की

मुक्त चिन्तन

20फरवरी, 2025

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वाराचलाए जारहेनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अन्तर्गतमें 20फरवरी, 2025 को (MSW) के कईछात्र अलगअलगसंस्थानों के साथसंपूर्णउत्तरप्रदेशमेंकार्यरतहैं, उनके अलावाअन्य कुछस्वैच्छिककार्यकर्ताओंकोनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम से जोड़ागया..जोविश्वविद्यालय के साथजुड़ करकार्यकरेंगेइसीक्रममेंनोएडा लखनऊबहराइचआदिस्थानोंपर यह अभियानचलायागयाकार्यकर्ताओं द्वारा यह अभियानअगले 3 दिनोंतकचलायाजाएगा

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंसमाजकार्यपरास्नातक (MSW) द्वितीय वर्ष के छात्र धर्मेन्द्रकुमार (वरिष्ठ पत्रकार, सहारा समय न्यूज़ चौनल, नोएडाऔरअध्यक्ष, सोशल फाउंडेशन) ने सहारा समय न्यूज़ चौनल, नोएडा के मुख्य कार्यालय मेंअपनेसहकर्मीसाथियों (पत्रकारों, एंकर, वीडियो एडिटरऔरअन्य कर्मचारियों) कोविश्वविद्यालय के प्रवेशअभिप्रेरणकार्यक्रम के तहतUPRTOU के कोर्स के बारेमेंजानकारीदी।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

मुक्त विवि के छात्र अब पढ़ेंगे ब्रज बुंदेलखंडी, भोजपुरी और अवधी

तैयारी

- विवि में एमए हिंदी के पाठ्यक्रम को किया जा रहा है संशोधित
- विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ऐतिहासिक पहल करते हुए एमए हिंदी के संशोधित पाठ्यक्रम में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषाओं के साहित्य को शामिल करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश सत्र जुलाई 2025 में यह संशोधित पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। विश्वविद्यालय स्थानीय भाषाओं के विकास के लिए पिछले छह माह से लगातार कार्य कर रहा है।

कुलपति ने उत्तर प्रदेश राज्य की स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे भाषाई विविधता को बढ़ावा मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने विधानसभा में बहुभाषी संवाद की सुविधा प्रारंभ की है।

प्रो. सत्यकाम ने कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में एक अग्रणी कदम है। एनईपी के आलोक में इन चारों भाषाओं अवधी, भोजपुरी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर मातृभाषा में शिक्षा देने के संकल्प को साकार करने की ओर अग्रसर है।

दो दिनी संगोष्ठी 20 मार्च से

कुलपति ने बताया कि इसी कड़ी में मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार-मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा।

Voice Of Allahabad NEWS
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
प्रयागराज वर्ष : 11 अंक : 69
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शनिवार 22 फरवरी 2025
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल

विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत
स्थानीय बोलियों के विकास को राष्ट्रीय संगोष्ठी 20-21 मार्च को

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ऐतिहासिक पहल करते हुए एम ए हिंदी के संशोधित पाठ्यक्रम में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषाओं के साहित्य को शामिल करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश सत्र जुलाई में यह संशोधित पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। विश्वविद्यालय स्थानीय भाषाओं के विकास के लिए पिछले 6 माह से लगातार कार्य कर रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने उत्तर प्रदेश राज्य की स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे भाषाई विविधता को बढ़ावा मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने विधानसभा में बहुभाषी संवाद की सुविधा प्रारम्भ की है।

कुलपति ने कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में एक अग्रणी कदम है। उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के आलोक में इन चारों भाषाओं अवधी, भोजपुरी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर मातृभाषा में शिक्षा देने के संकल्प को साकार करने की ओर अग्रसर है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार-मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश होने से विश्वविद्यालय की पहुंच अवध, ब्रज, पूर्वांचल तथा बुंदेलखंड के क्षेत्रों तक आसानी से उपलब्ध है।

---

sunday pioneer
• Established 1865
www.dailypioneer.com

UPRTOU to include literature of 4 languages in revised syllabus of MA Hindi

PIONEER NEWS SERVICE ■ PRAYAGRAJ

The Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) is working towards including the literature of Bhojpuri, Awadhi, Braj and Bundelkhandi languages in the revised syllabus of MA Hindi. Vice-Chancellor (V-C) Professor Satyakam said this revised syllabus will be available in the July admission session. The university has been working continuously for the last six months for the development of local languages. The V-C has welcomed the decision to give place to dialects of UP like Bhojpuri, Awadhi, Braj and Bundelkhandi in the UP Legislative Assembly. proceedings. He said this is a welcome step which will promote linguistic diversity and make the democratic process more inclusive. He said UP has become the first state in the country to start the facility of multilingual dialogue in the Legislative Assembly. Prof Satyakam said this is a pioneering step in compliance with the National Education Policy (NEP). UPRTOU is moving towards realising the resolve of imparting education in mother tongue by including these four languages Awadhi, Bhojpuri, Braj and Bundelkhandi in its curriculum in the light of NEP. He said the UPRTOU is organising a two-day national seminar on the contribution of Bhojpuri, Awadhi, Braj and Bundelkhandi languages in the development of Hindi on March 20 and 21 under the joint aegis of Sahitya Akademi. In this, various language experts of the country will brainstorm and the university will set a new standard in furthering the development of local languages and dialects. Since the working area of the university is the whole of UP the reach of the university is easily available to the areas of Awadh, Braj, Purvanchal and Bundelkhand. Due to this reach, the university has resolved to bring the benefits of the development of local language dialects to as many people as possible. The interest shown by the state government in development of these dialects has also provided support to the university.

MISHAP: A 20-year-old youth died in a road accident in the Kaundhiara police station area on Friday night. The accident occurred near Jari Bazar Power House when Pradeep Patel, driver of a tractor going to Ghurpur, suddenly applied brakes after seeing the crowd in the market due to which Chandan Patel, sitting on it came under the wheel of trolley and died. The deceased was a resident of Karma village under Ghurpur police station.

आनंदी मेल

भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल

संवाददाता, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ऐतिहासिक पहल करते हुए एम ए हिंदी के संशोधित पाठ्यक्रम में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषाओं के साहित्य को शामिल करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश सत्र जुलाई 2025 में यह संशोधित पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। विश्वविद्यालय स्थानीय भाषाओं के विकास के लिए पिछले 6 माह से लगातार कार्य कर रहा है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने उत्तर प्रदेश राज्य की स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया है । उन्होंने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे भाषाई विविधता को बढ़ावा मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने विधानसभा में बहुभाषी संवाद की सुविधा प्रारंभ की है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में एक अग्रणी कदम है। उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के आलोक में इन चारों भाषाओं अवधी, भोजपुरी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर मातृभाषा में शिक्षा देने के संकल्प को साकार करने की ओर अग्रसर है। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार - मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने से विश्वविद्यालय की पहुंच अवध, ब्रज, पूर्वांचल तथा बुंदेलखंड के क्षेत्रों तक आसानी से उपलब्ध है।

मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी...

--विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत --स्थानीय बोलियों के

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in/Encyc/2025/2/21/Four-language-in-uprtou.php

07:51

भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल - बालजी न्यूज़

विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत स्थानीय बोलियों के विकास को राष्ट्रीय संगोष्ठी 20-21 मार्च को

www.baljinews.com

https://www.baljinews.com/bhojpuri-awadhi-braj-and-bundelkhandi-open-university-syllabus-included/

11:20

JEEVAN EXPRESS
EDITORIAL NEWSCAST PRAYAGRAJ

Bhojpuri, Awadhi, Braj and Bundelkhandi included in curriculum of UPRTOU

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj, taking a historic initiative, is working rapidly towards including the literature of Bhojpuri, Awadhi, Braj and Bundelkhandi languages in the revised curriculum of MA Hindi. Giving this information, the Vice Chancellor of the University, Professor Satyakam said that this revised curriculum will be available to the learners in the admission session July 2025. The university has been working continuously for the last 6 months for the development of local languages.

Vice Chancellor Professor Satyakam has welcomed the decision to give place to the local dialects of Uttar Pradesh state Bhojpuri, Awadhi, Braj and Bundelkhandi in the proceedings of the Uttar Pradesh Legislative Assembly. He said that this is a welcome step. This will promote linguistic diversity and make the democratic process more inclusive. He said that Uttar Pradesh has become the first state in the country to start the facility of multilingual dialogue in the Legislative Assembly. Professor Satyakam informed that in this episode, Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University is organizing a two-day national seminar on the contribution of Bhojpuri, Awadhi, Braj and Bundelkhandi languages in the development of Hindi under the joint aegis of Sahitya Akademi on 20 and 21 March 2025. In which various language experts of the country will brainstorm and the Open University will set a new standard in advancing the development of local languages and dialects. Since the working area of the university is the whole of Uttar Pradesh, the reach of the university is easily available in the areas of Awadh, Braj, Purvanchal and Bundelkhand.

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
UNITED
यूनाइटेड भारत
सिर्फ सच के साथ
हिन्दी दैनिक
शनिवार 22 फरवरी 2025 प्रयागराज, वर्ष : 25, अंक : 46, पेज : 12, मूल्य : 3.00 रुपए

भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल

विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत स्थानीय बोलियों के विकास को राष्ट्रीय संगोष्ठी 20-21 मार्च को

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ऐतिहासिक पहल करते हुए एम ए हिंदी के संशोधित पाठ्यक्रम में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषाओं के साहित्य को शामिल करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश सत्र जुलाई 2025 में यह संशोधित पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। विश्वविद्यालय स्थानीय भाषाओं के विकास के लिए पिछले 6 माह से लगातार कार्य कर रहा है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने उत्तर प्रदेश राज्य की स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया है । उन्होंने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे भाषाई विविधता को बढ़ावा मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने विधानसभा में बहुभाषी संवाद की सुविधा प्रारंभ की है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में एक अग्रणी कदम है। उत्तर प्रदेश का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के आलोक में इन चारों भाषाओं अवधी, भोजपुरी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर मातृभाषा में शिक्षा देने के संकल्प को साकार करने की ओर अग्रसर है। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कर रहा है। जिसमें देश के विभिन्न भाषा विशेषज्ञ विचार - मंथन करेंगे और स्थानीय भाषा एवं बोलियों के विकास को आगे बढ़ाने में मुक्त विश्वविद्यालय एक नया मानक स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र संपूर्ण उत्तर प्रदेश होने से विश्वविद्यालय की पहुंच अवध, ब्रज, पूर्वांचल तथा बुंदेलखंड के क्षेत्रों तक आसानी से उपलब्ध है। अपनी इसी पहुंच के कारण मुक्त विश्वविद्यालय ने स्थानीय भाषा बोलियों के विकास का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। प्रदेश सरकार ने इन बोलियों के विकास पर जो रुचि प्रदर्शित की है उससे विश्वविद्यालय को भी संबल प्रदान हुआ है।

---

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com
राष्ट्रीय सहारा
लखनऊ
शनिवार • 22 फरवरी • 2025

भोजपुरी, अवधी, ब्रज व बुंदेलखंडी मुक्त विवि के पाठ्यक्रम में शामिल

- विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत
- स्थानीय बोलियों के विकास को राष्ट्रीय संगोष्ठी 20-21 मार्च को

प्रयागराज (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने एम ए हिंदी के संशोधित पाठ्यक्रम में भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषाओं के साहित्य को शामिल करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।

कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि प्रवेश सत्र जुलाई 2025 में यह संशोधित पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगा। विश्वविद्यालय स्थानीय भाषाओं के विकास के लिए पिछले छह माह से लगातार कार्य कर रहा है। कुलपति ने स्थानीय बोलियों भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने के फैसले का स्वागत किया है । उन्होंने कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है। इससे भाषाई विविधता को बढ़ावा मिलेगा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने विधानसभा में बहुभाषी संवाद की सुविधा प्रारंभ की है। कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुपालन में एक अग्रणी कदम है। उत्तर प्रदेश का एकमात्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के आलोक में इन चारों भाषाओं अवधी, भोजपुरी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी को अपने पाठ्यक्रम में शामिल कर मातृभाषा में शिक्षा देने के संकल्प को साकार करने की ओर अग्रसर है। कुलपति ने बताया कि इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय आगामी 20 एवं 21 मार्च 2025 को साहित्य अकादमी के संयुक्त तत्वावान में हिंदी के विकास में भोजपुरी, अवी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी भाषा के योगदान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा ।

जनसंदेश टाइम्स

व्यक्तित्व विकास में उपयोगी है दूरस्थ शिक्षाः प्रो. सत्यकाम

दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का समापन

हरबात

भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल

विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत स्थानीय बोलियों के विकास को राष्ट्रीय संगोष्ठी 20-21 मार्च को

बालजी

भोजपुरी, अवधी, ब्रज एवं बुंदेलखंडी मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल

विधानसभा की कार्यवाही में स्थान देने पर कुलपति ने किया स्वागत स्थानीय बोलियों के विकास को राष्ट्रीय संगोष्ठी 20-21 मार्च को

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वाराचलाए जारहेनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अन्तर्गत21 एवं 22 फरवरी, 2025 की रिपोर्ट–जिसमें**Regional Center** द्वाराकोचिंग,**study center** से संपर्ककियागयाइसकेअतिरिक्त**NGOs, student's volunteer, study centers**ने भीसीतापुर,श्रावस्ती, रायबरेली, अन्य जिलोंमेंलोगोंकोजागरूककियाऔरपढ़ाई, के महत्व को समझायासाथहीराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय उनकीमददकिसप्रकार से करसकताहै वो भीबतायागया।

मुक्त चिन्तन — **25 एवं 27फरवरी, 2025**

मुक्तविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम

आजदिनांक25 फरवरी, 2025 कोआजमगढ़ के डॉ प्रेमप्रकाशकुशवाहा क्षेत्रीय समन्वयक ने बाबाविश्वनाथमहाविद्यालय नीबीआजमगढ़ मेंनामांकनअभिप्रेरणा के तहतविश्वविद्यालय के विभिन्नकोर्सेज एवंडिप्लोमासर्टिफिकेट के विषय मेंविस्तृतजानकारीदियागया।कईछात्र–छात्राओं ने नामांकनकरने के इच्छाजाहिर की है।

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारानामांकनअभिप्रेरणा के तहतआजदिनांक 27 फरवरी 2025 कोश्रीकृष्ण दत्त एकैडमीडिग्रीकॉलेजमेंछात्र–छात्राओं के साथप्रवेश के संबंधमेंवार्ताकियागया।मुक्तविश्वविद्यालय के प्रमुख विशेषताओं, प्रवेश की प्रक्रिया, पाठ्यसामग्री एवंफीसआदि के संबंधमेंविस्तार से चर्चा की गई।छात्र–छात्राओं द्वारा एम बी ए मेंप्रवेश, एकलविषय, एवंरिमोटसेंसिंग के संबंधमेंप्रश्नपूछेगए। कक्षा संचालितकैसेहोतीहै यह प्रश्न एक छात्रा द्वारापूछागया।प्राचार्य डॉ नवीनकुमारजी से भीप्रवेशकोलेकरचर्चाहुई।महाविद्यालय के शिक्षकों ने भीप्री एडमिशनकाउंसलिंग सत्र मेंप्रतिभागिताकी।

आज दिनांक 28 2 2025 को आजमगढ़ के डॉ प्रेम प्रकाश कुशवाहा क्षेत्रीय समन्वयक ने एन के नेशनल गर्ल्स कॉलेज मऊ के छात्राओं को विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सेज एवं नामांकन प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी गई। तथा कॉलेज के प्रबंधक एवं प्राचार्य से विश्वविद्यालय का अध्ययन केंद्र खोलने के लिए बात हुई है । उक्त विषय में अध्ययन केंद्र खोलने के लिए फार्म भी भरवाया गया है

विश्वविद्यालय के पत्रांक ओ.यू./1802/2025,दिनांक 24/02/2025 के सापेक्ष में क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ पर दिनांक 27.02.2025 को भाषण एवं नाटक प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 06 शिक्षार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इसके इतर नाटक प्रतियोगता में प्रतिभाग संख्या 09 रहा है। प्रतिभाग किये गये शिक्षार्थियों की प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त निम्नवत है –

(क) भाषण प्रतियोगिता

	शीर्षक
1. साबरीन बानो – प्रथम स्थान	वृद्व आश्रम की जरुरत क्यो है?
2. रोशनी – द्वितीय स्थान	वृद्व आश्रम की जरुरत क्यो है?
3. अंजली मौर्य – प्रथम स्थान	वाल विवाह पर प्रतिबन्ध
4. गुन्जा गुप्ता – प्रथम स्थान	दहेज प्रथा उन्मूलन

(ख) नाटक प्रतियोगता –

	शीर्षक
1. अंजली मौर्य – प्रथम स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
2. रोशनी – प्रथम स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
3. गुन्जा गुप्ता – प्रथम स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
4. नेहा – द्वितीय स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति
5. विन्दु यादव – द्वतीय स्थान	श्रवण कुमार की अपनी माता–पिता के प्रति भक्ति

```राज्यपाल सचिवालय के पत्र संख्या ई -1112/32 जी एस/2024 के अनुपालन में विश्वविद्यालय से प्राप्त

```

27 फरवरी, 2025

दिनांक 27.02.2025 को क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

19:01

• वर्ष : 18
• अंक : 29
• प्रातः कालीन संस्करण
• लखनऊ
• शनिवार, 01 मार्च 2025
• पृष्ठ : 08
• मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

दूरस्थ शिक्षा व्यक्तित्व विकास में अत्यंत उपयोगी: कुलपति मुविवि

तिजारतस संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के समापन समारोह में कुलपति प्रो सत्यकाम ने कहा कि शिविर के माध्यम से आधिकाधिक लोगों को विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि कुंभ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम की सफलता का श्रेय महाकुंभ को जाता है। उन्होंने कहा कि हजारों लोगों ने इस कार्यक्रम में प्रवेश लेने में दिलचस्पी दिखाई। पूरे मेला क्षेत्र में पंपलेट के माध्यम से कार्यक्रम का प्रचार प्रसार किया गया। विश्वविद्यालय ने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कुंभ गाइड की व्यवस्था की। इसके साथ ही जागरूकता शिविर में अनेकों श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की गई। कुलपति ने इसके लिए शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल भदौरिया की

का प्रयास जन जन तक शिक्षा को पहुंचाना है। दूरस्थ शिक्षा किसी भी उम्र में ग्रहण की जा सकती है। दूरस्थ शिक्षा व्यक्तित्व विकास में अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वविख्यात कुंभ मेले की मेजबानी करने का सुअवसर मिला। ऐसे सुअवसर में हमारा विश्वविद्यालय परिवार महाकुंभ में आए हुए श्रद्धालुओं की हर संभव सहायता एवं सेवा कर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने में तत्पर रहा। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर आगे भी इसी तरह शिक्षा का प्रचार प्रसार करता रहेगा। इसके पूर्व शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने कुलपति प्रो सत्यकाम का स्वागत किया। डॉ मनोज कुमार सिंह ने

प्रयाग प्रभात

जन–जन तक पहुंचाएं कुंभ अध्ययन कार्यक्रम–प्रोफेसर संजय सिंह

प्रयागराज 22 फरवरी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्व विद्यालय,के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की सराहना की तथा इस कार्यक्रम को जन–जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के दूरदर्शी कुलपति प्रोफेसर सत्य काम के प्रयासों की सराहना की। इससे पूर्व शिविर में पहुंचने पर नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने प्रोफेसर संजय सिंह एवं विश्वविद्यालय से आए हुए अन्य अतिथियों का स्वागत किया। डॉ भदौरिया ने प्रोफेसर सिंह को कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र

कार्यक्रम की विशेषताओं से अवगत कराया। प्रोफेसर संजय सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के शिविर में आकर काफी प्रसन्न हुए। उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि 2002 से 2005 तक जब उनके पिता प्रोफेसर डी पी सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति थे तब गंगा किनारे इस शिविर में आने का अवसर मिला था। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मुक्त विश्वविद्यालय आज भी संगम क्षेत्र में शिविर लगाकर सामाजिक जन जागरूकता के कार्य को बखूबी निभा रहा है। उन्होंने कहा कि जब करोड़ों लोग प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर स्नान करने आ रहे हैं तो ऐसे समय पर कुंभ अध्ययन कार्यक्रम अवश्य सफलता अर्जित करेगा। उन्होंने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों से प्रवेश लेने की अपील की। जिससे लोग कुंभ के महत्व को आसानी से समझ सकें। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता के प्रचार प्रसार के लिए डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ मुक्त विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने के लिए अग्रसर है । गौरतलब है कि प्रोफेसर संजय सिंह इससे पूर्व बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति के रूप में अपना कार्य काल पूरा कर चुके हैं।

NORTHERN INDIA PATRIKA
EDITION PRICE, RS. 3.50 | VOL. 67 NO. 038 MORNING EDITION, PRAYAGRAJ | SUNDAY, 23 FEBRUARY, 2025 | PAGE-12

Take Kumbh Study Program among the masses - Prof. Sanjay Singh

Staff Reporter

Mahakumbh Nagar: Prof. Sanjay Singh, Vice Chancellor, Dr. Shakuntala Mishra National Rehabilitation University, Lucknow, praised the Kumbh Study Certificate Program and appreciated the efforts of Open University Vice Chancellor Prof. Satyakam, to take this program to the masses.

Earlier, On Saturday, on reaching the camp located in Sector 7 of Mahakumbhnagar, Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Nodal Officer Dr. Anil Kumar Singh Bhadauria welcomed Prof. Sanjay Singh and other guests. Dr. Bhadauria made Prof. Singh aware of the features of the Kumbh Study Certificate Program.

Prof. Sanjay Singh, sharing old memories, he said that from 2002 to 2005, when his father Prof. D P Singh was the Vice Chancellor of the Open University, he got the opportunity to come to this camp on the banks of the Ganga.

He expressed happiness that the Open University is still doing the work of social public awareness by organizing camps in the Sangam area. He made an appeal with people to take admission in kumbh studies program.

So that people can easily understand the importance of Kumbh.

He said that Dr. Shakuntala Mishra National Rehabilitation University is moving forward to work in collaboration with Lucknow Open University to spread social awareness.

It is worth mentioning that Prof. Sanjay Singh has completed his tenure as Vice Chancellor of Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar Central University, Lucknow. The above information was given by Dr. Prabhat Chandra Mishra, PRO, Open University.

हिन्दी दैनिक
वॉइस ऑफ प्रयागराज
प्रयागराज से प्रकाशित जज़्बा सच लिखने का
RNI-No UPHIN/2021/81034
वर्ष- 04 अंक-194 प्रयागराज रविवार, 23 फरवरी 2025, voiceofprayagraj.vop@gmail.com / नगर संस्करण, पृष्ठ - 8, मूल्य 2.00 रु०

कुंभ अध्ययन कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर

(वॉइस ऑफ प्रयागराज)

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महाकुंभनगर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की सराहना की।

उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इस कार्यक्रम को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

प्रो. सिंह ने कहा कि महाकुंभ के अवसर पर यह अध्ययन कार्यक्रम बड़ी सफलता प्राप्त करेगा। इस दौरान नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की विशेषताओं से अवगत कराया। प्रो. सिंह ने सामाजिक जागरूकता के प्रसार में सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई।

लक्ष्य समग्र
LS NEWS

जन-जन तक पहुंचाएं कुंभ अध्ययन कार्यक्रम-प्रोफेसर संजय सिंह

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज – उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर

में डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय,लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की सराहना की तथा इस कार्यक्रम को जन–जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के दूरदर्शी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रयासों की सराहना की।इससे पूर्व शिविर में पहुंचने पर नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने प्रोफेसर संजय सिंह एवं विश्वविद्यालय से आए हुए अन्य अतिथियों का स्वागत किया।डॉ भदौरिया ने प्रोफेसर सिंह को कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की विशेषताओं से अवगत कराया।प्रोफेसर संजय सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के शिविर में आकर काफी प्रसन्न हुए।उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि 2002 से 2005 तक जब उनके पिता प्रोफेसर डी पी सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति थे तब गंगा किनारे इस शिविर में आने का अवसर मिला था।उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मुक्त विश्वविद्यालय आज भी संगम क्षेत्र में शिविर लगाकर सामाजिक जन जागरूकता के कार्य को बखूबी निभा रहा है।उन्होंने कहा कि जब करोड़ों लोग प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर स्नान करने आ रहे हैं तो ऐसे समय पर कुंभ अध्ययन कार्यक्रम अवश्य सफलता अर्जित करेगा।उन्होंने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों से प्रवेश लेने की अपील की।जिससे लोग कुंभ के महत्व को आसानी से समझ सकें।उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता के प्रचार प्रसार के लिए डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ मुक्त विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने के लिए अग्रसर है ।गौरतलब है कि प्रोफेसर संजय सिंह इससे पूर्व बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

हिन्दी दैनिक
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
संयम भारत
वर्ष : 18 अंक : 331 नगर संस्करण, पृष्ठ - 4, मूल्य 1. 00 रू०
उत्तर प्रदेश रविवार, 23 फरवरी 2025 प्रयागराज विचार

जन-जन तक पहुंचाएं कुंभ अध्ययन कार्यक्रम- प्रोफेसर संजय सिंह

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रोफेसर संजय सिंह ने कुम्भ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की सराहना की तथा इस कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के दूरदर्शी कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के प्रयासों की सराहना की। इससे पूर्व शिविर में पहुंचने पर नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने प्रोफेसर संजय सिंह एवं विश्वविद्यालय से आए हुए अन्य अतिथियों का स्वागत किया। डॉ भदौरिया ने प्रोफेसर सिंह को कुंभ अध्ययन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की विशेषताओं से अवगत कराया।

प्रोफेसर संजय सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के शिविर में आकर काफी प्रसन्न हुए। उन्होंने पुरानी यादों को साझा करते हुए कहा कि 2002 से 2005 तक जब उनके पिता प्रोफेसर डी पी सिंह मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति थे तब गंगा किनारे इस शिविर में आने का अवसर मिला था। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मुक्त विश्वविद्यालय आज भी संगम क्षेत्र में शिविर लगाकर सामाजिक जन जागरूकता के कार्य को बखूबी निभा रहा है। उन्होंने कहा कि जब करोड़ों लोग प्रयागराज में महाकुंभ के अवसर पर स्नान करने आ रहे हैं तो ऐसे समय पर कुंभ अध्ययन कार्यक्रम अवश्य सफलता अर्जित करेगा। उन्होंने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों से प्रवेश लेने की अपील की। जिससे लोग कुंभ के महत्व को आसानी से समझ सकें। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता के प्रचार प्रसार के लिए डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ मुक्त विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने के लिए अग्रसर है । गौरतलब है कि प्रोफेसर संजय सिंह इससे पूर्व बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति के रूप में अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं।

Prayagraj व्यक्तित्व विकास में उपयोगी है दूरस्थ शिक्षा-प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महाकुंभनगर के सेक्टर 7 में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के

streetbuzz.co.in

व्यक्तित्व विकास में उपयोगी है दूरस्थ शिक्षा- प्रोफेसर सत्यकाम

https://streetbuzz.co.in/newsapp//view/post:55886